मि0स012011-2/2015-रा0भा0ए0

भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

राजभाषा प्रभाग

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक 16 सितम्बर, 2015

परिपत्र

विषय: हिंदी दिवस - 2015 के अवसर पर माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री जी तथा मंत्रीमंडल सचिव का संदेश।

हिंदी दिवस - 2015 के अवसर पर माननीया मानव संसाधन विकास मंत्री जी तथा मंत्रीमंडल सचिव के संदेश की प्रति आवश्यक कार्रवाई हेतु संलग्न है।

(गजराज सिंह)
उपनिदेशक(रा0भा0)

सेवा में,

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत सभी कार्यालय/विश्वविद्यालय/प्रबंध संस्थान/प्रौधोगिकी संस्थान आदि।

Desktop/रावत/ हिंदी पखवाड़ा 2015/ Letter

स्मृति ज़ूबिन इरानी
Smriti Zubin Irani

सत्यमेव जयते

मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सब को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से 14 सितम्बर, 1949 को यह निर्णय लिया था कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इसी परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। आज 1953 से शुरू इस परंपरा का 63वां वर्ष है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हिंदी एक समृद्ध भाषा है और भारत की राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता की कड़ी है। भारत के कोने-कोने में इसे समझने और बोलने वाले हैं, चाहे वे दक्षिण भारत के लोग हों या पूर्वोत्तर के, हिंदी सभी को एक सूत्र में बांधे हुए है। हमने राजभाषा हिंदी के जरिये अपनी समृद्ध बौद्धिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर, सफलता के नये आयाम स्थापित किए हैं। जहां तक सरकारी कामकाज में इसके प्रयोग का संबंध है, हमें अपने अंत:मन में ऐसा निश्चय करना होगा और अपना कर्तव्य मानना होगा कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए किसी संकल्प की आवश्यकता न पड़े।

आज विश्व भारत को एक उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में देख रहा है। लेकिन यह सपना तभी साकार होगा जब हम राजभाषा हिंदी को ज्ञान-विज्ञान, अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी आदि सभी क्षेत्रों से जोड़ें और इन क्षेत्रों के लाभ जन-जन तक पहुंचे। हालांकि हमने ज्ञान-विज्ञान के साथ-साथ भाषा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है, तथापि हिंदी को सार्वजनिक क्षेत्रों सहित निजी क्षेत्रों में भी अपनाने और प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। हमें यह भी प्रयास करने चाहिए कि रोजमर्रा का छोटा-मोटा सरकारी कामकाज मूलत: हिंदी में हो और अनुवाद कराने की आवश्यकता कम पड़े, इसके लिए हमें राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाना होगा।

आइये आज हम सब मिलकर 63वें हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर यह दृढ़ निश्चय करें कि हम राजभाषा नीति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हुए अपना सरकारी कामकाज अधिक से अधिक हिंदी में करेंगे।

जयहिन्द !

(स्मृति ज़ूबिन इरानी)

नई दिल्ली
14 सितम्बर, 2015

Office : Room No. 301 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi - 110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax No. : 91-11-23382365

प कुमार सिन्हा
RADEEP K. SINHA

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

हिंदी दिवस पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं । संविधान सभा द्वारा 14.9.1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार करने के उपलक्ष्य में हम प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं ।

2. एक राष्ट्र के रूप में भारत बड़ी संख्या में भाषाओं और बोलियों से समृद्ध है । तथापि, अपनी पहुंच, सादगी और स्वीकार्यता के चलते हिंदी को राजभाषा का स्थान प्राप्त हुआ है । क्षेत्र, धर्म और संस्कृति की बाधाओं को पार करके इसने संघ की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषा के रूप में अपनी छाप छोड़ी है । अभिव्यक्ति और संचार के माध्यम दोनों में इसकी सहज स्वीकार्यता के कारण सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति ने हिंदी के और अधिक विकास को संभव बना दिया है ।

3. यह उपयुक्त होगा यदि सरकारी कार्मिक के तौर पर राजभाषा के रूप में हिंदी के उपयोग के प्रति हम और अधिक प्रतिबद्धता दिखाएं । हमें अपनी बातचीत के तौर-तरीकों को पुनर्भाषित करने की आवश्यकता है ताकि इसे और अधिक सरल और कारगर बनाया जा सके । हमें अपने कार्य व्यवहार में भी अंग्रेजी या अन्य भाषाओं से अनुवाद पर निर्भरता कम करने की जरूरत है । इसके लिए आपका विभाग हिंदी के प्रयोग में तेजी लाने के लिए राजभाषा विभाग के साथ तालमेल बनाते हुए कार्य करे ताकि राजभाषा हिंदी जनसमुदाय के साथ संवाद का सशक्त माध्यम बने तथा सरकार और आम जनता के मध्य सेतु बनकर सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के प्रचार-प्रसार का एक प्रभावी माध्यम बने ।

4. आइये, आज इस पावन अवसर पर - राजभाषा तथा भारत की जनभाषा, दोनों रूपों में हिंदी के विकास के प्रति हम अपने आपको समर्पित करें ।

जय हिंद ।

14 सितंबर, 2015

(पी.के. सिन्हा)